>

Title: Request to provide Rs. 5000 as Disability pension and Rs. 22000 as monthly income to Home Gaurds in Jammu-Kashmir.

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग): धन्यवाद सभापति महोदय । यह बहुत परेशानी की बात है कि डिसेबिलिटी पेंशन देने के दो तरीके हैं । एक तरीका सारे मुल्क के लिए है और दूसरा तरीका जम्मू-कश्मीर के लिए है । जम्मू-कश्मीर में जो डिसेबिलिटी पेंशन मिलती है, वह सारे मुल्क में जो मिलता है, उसका वन फिफ्थ है । …(व्यवधान) आर्टिकल-370 और 35 ए के हटाने के बाद भी इस विषय में कोई परिवर्तन नहीं हुआ । आज की तारीख में यह सबसे कम मिल रहा है । मेरा यह मुतालबा होगा कि जम्मू-कश्मीर में भी कम से कम 5000 रुपये डिसेबिलिटी पेंशन लागू की जाए ।

दूसरी बात, जो होम गार्डस् का विषय है । आज की तारीख में जम्मू-कश्मीर में उनको एक महीने में सिर्फ 2700 रुपये मिलते हैं । बाकी, देश में उनको 22000 रुपये मिलते हैं । यह कैसा न्याय है?

तीसरी बात, जो फहद शाह की बात की गई है । हम किसी और मुल्क के बारे में सुनते थे अगर आप पुलिस के साथ इत्तेफाक़ नहीं करेंगे तो फिर जेल चलिए । अभी शशि थरूर जी ने भी कहा, अगर आप पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन के साथ एग्री नहीं करते हैं तो थाने चलिए । किसी शायर ने किसी और मुल्क के बारे में कहा था । लेकिन, हमारा मुल्क फर्स्ट अमेंडमेंट के लिए जाना जाता है । यहां फ्रिडम ऑफ एक्सप्रेशन सबके लिए बराबर था । लेकिन, यहां पर जर्नलिस्ट्स पर अत्याचार और जुल्म हो रहा है । अभी दो जर्नलिस्ट्स गिरफ्तार किए गए । …(व्यवधान)